ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी से शिक्षकों-छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण व तकनीकी सहयोग : योगी

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू पर हुए हस्ताक्षर, नोएडा बनेगा केंद्र

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार व ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। इसके जरिये बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे छात्रों व शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध, प्रशिक्षण व तकनीकी सहयोग मिलेगा। साथ ही पाठ्यक्रम बनाने में भी सहयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री लेने का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप हुआ यह एमओयू बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में समझौते की फाइल बदलते मुख्य सचिव मनोज सिंह व मोनाश यूनिविर्सिटी के अधिकारी। -सूचना विभाग

सीएम ने कहा कि इस सहयोग का केंद्र गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा होगा, जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा, जहां मोनाश यूनिवर्सिटी अपना एक केंद्र बनाएगी।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि यह सहयोग प्रदेश के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों से जुड़ने का रास्ता साफ करेगा। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर और वर्तमान में मोनाश यूनिवर्सिटी से संबद्ध प्रो. मनीषा ने बताया कि मोनाश में हर साल लगभग 30 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इस एमओयू के तहत छात्र व शिक्षक आदान-प्रदान व संयुक्त शोध पर भी काम होगा। इस अवसर पर मोनाश यूनिवर्सिटी से प्रो. क्रेग जेफ्री, डिप्टी वाइस चांसलर (इंटरनेशनल) व सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डॉ. ग्रेग कुसैक, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग से डिप्टी हाई कमिश्नर निक मैक कैफ्री, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा पी सिंह उपस्थित थे।